10.1.22 पत्रावली पेश हुई। वकील प्रतिवादी उप०
वकील वादी की आवाजें लगवाई गई।
परन्तु वकील वादी अनुपस्थित है। इसलिए
वादी का वाद अदम हाजरी अदम पैरवी
में खारिज किया जाता है। पत्रावली
फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।
दर्ज नम्बर से कम हो। आदेश खुले
न्यायालय में सुनाया गया

Signature Not Verified

Digitally signed by Prakash Chandra Regar
Date: 2022.05.24 16:14:48 IST
Reason: SelfAttested